वेदान्तसारः

PAPER CODE-

लघुप्रश्नाः (Short Questions)

1. वेदान्तसारस्य कर्ता कः?
2. वेदान्तसारस्य मङ्गलाचरणं कीदृशं मङ्गलाचरणम्?
3. अखण्डम् इति शब्दस्य कोऽर्थः?
4. किं नाम वेदान्तम्?
5. वेदान्तसारः कीदृशः ग्रन्थः?
6. सदानन्दयोगीन्द्रस्य गुरोः नाम किम्?
7. अनुबन्धचतुष्टयं किम्?
8. अधिकारिणः लक्षणं किम्?
9. कानि काम्यकर्माणि?
10. कानि निषिद्धकर्माणि?
11. कानि नित्यकर्माणि?
12. कानि नैमित्तिकर्माणि?
13. कानि प्रायश्चित्तानि कर्माणि?
14. शाण्डिल्यविद्यादीनि कीदृशानि कर्माणि?
15. नित्यादीनां कर्मणां परं प्रयोजनं किम्?
16. नित्यादीनां कर्मणां अवान्तरफलम्/गौणफलं किम्?
17. उपासनानां परं प्रयोजनं किम्नित्यादीनां कर्मणां परं प्रयोजनं किम्?
18. साधनचतुष्टयं किम्?
19. नित्यवस्तु किम्?
20. अनित्यवस्तु किम्?
21. इहफलानि कानि?
22. अमुत्रभोगाः के?
23. शमादिषट्कसम्पत्तिः का?
24. मुमुक्षुत्वं किम्?
25. नित्यादीनां कर्मणां परं प्रयोजनं किम्?
26. शमस्य लक्षणं किम्?
27. दमस्य लक्षणं किम्?
28. उपरतिः का?
29. तितिक्षा का?
30. का नाम समाधिः?
31. का नाम श्रद्धा?
32. अद्वैतवेदान्तस्य विषयः कः?
33. को नाम अध्यारोपः?
34. अज्ञानस्य लक्षणं किम्?
35. नञर्थः कति प्रकारकाः?

36. अज्ञानस्य भेदद्वयं किम्?
37. समष्टेः लक्षणं किम्?
38. का नाम व्यष्टिः?
39. अज्ञानस्य शक्तिद्वयं किम्?
40. अद्वैतवेदान्ते ईश्वरः कीदृशं कारणम्?
41. लिङ्गशरीरस्य अपरं नाम किम्?
42. सूक्ष्मशरीरे कति अवयवाः सन्ति?
43. का नाम बुद्धिः?
44. किं नाम मनः?
45. वायवः कति विधाः?
46. पंचीकरणं किम्?
47. सूक्ष्मशरीरं किम्?
48. स्थूलशरीरं किम्?
49. कारणशरीरं किम्?
50. कति लोकानि सन्ति?

नातिदीर्घाः प्रश्नाः

टिप्पणी प्रदेया-

1. सदानन्दयोगीन्द्रः
2. बादरायणः
3. वाचस्पतिमिश्रः
4. भास्कराचार्यः
5. रामानुजाचार्यः
6. ब्रह्मसूत्रम्
7. वेदान्तसारः
8. उपनिषद्
9. वेदान्तदर्शनम्
10. आदिशङ्कराचार्यः
11. ब्रह्म
12. माया
13. अध्यारोपः
14. अपवादः
15. प्रकरणम्
16. अनुबन्धचतुष्टयम्
17. अधिकारी
18. साधनचतुष्टयम्
19. तुरीयं चैतन्यम्
20. आवरणशक्तिः

21. विक्षेपशक्तिः
22. पञ्चप्राणाः
23. विज्ञानमयकोशः
24. प्राणमयकोशः
25. आनन्दमयकोशः
26. मनोमयकोशः
27. सूक्ष्मशरीरम्
28. स्थूलशरीराणि
29. समाधेः विघ्नाः
30. सजातीय-विजातीय-स्वगतभेदाः

दीर्घप्रश्नाः (Long Questions)

1. वेदान्तसारस्य मङ्गलपद्यं व्याख्यायत।
2. अधिकारिणः लक्षणं प्रतिपादयत।
3. अनुबन्धचतुष्टयस्य विस्तरेण वर्णनं कुरुत।
4. साधनचतुष्टयस्य स्वरूपं निरूपयत।
5. अध्यारोपस्य स्वरूपं प्रतिपादयत।
6. अज्ञानलक्षणं प्रतिपदव्यावृत्तिपुरस्सरम्आलोच्यत।
7. अज्ञानस्य स्वरूपं शक्तिद्वयं च विवृणुत।
8. सृष्टिक्रमं वेदान्तसारदृष्ट्या सविस्तरेण निरूपयत।
9. पञ्चीकरणप्रक्रियायाः व्याख्यां कुरुत।
10. लिङ्गशरीरं प्रतिपादयत।
11. पञ्चकोशं वर्णयत।
12. द्विधा विधाय चैकैकं चतुर्धा प्रथमं पुनः।
    स्वस्वेतरद्वितीयांशैर्योजनात् पञ्च पञ्च ते - श्लोकोऽयंव्याख्यायत।
13. पञ्चीकृतेभ्यः भूतेभ्यः कथं स्थूलप्रपञ्चस्य उत्पत्तिः भवति वर्णयत।
14. पुत्रादीनाम् आत्मत्वखण्डनं निरूपयत।
15. तत्त्वमसि इति महावाक्यार्थं विवेचयत।
16. तत्त्वमसि इति महावाक्ये जहदजहल्लक्षणा प्रतिपादयत।
17. समाधेः स्वरूपं सभेदं प्रतिपादयत।
18. षड्विधानि लिङ्गानि कानि विवेचय।
19. समाधेः साधनानि कानि विवृणुत।
20. श्रवण-मनन-निदिध्यासनानां स्वरूपं निरूपयत।
21. महावाक्यार्थविचारं विस्तारतः प्रदर्शयत।
22. जीवन्मुक्तस्य लक्षणानि वेदान्तसारानुसारं विवृणुत।
23. मोक्षस्य स्वरूपं वेदान्तसारानुसारं विस्तारतः प्रतिपादयत।
24. वेदान्तदर्शनपरम्पराविषये लिखत।
25. प्रस्थानत्रयीविषये विवृणुत।